

THINK IAS

JOIN SAMYAK

Samyak

An Institute For Civil Services

DAILY

CURRENT नामा

22 अगस्त

9875170111

SAMYAK IAS, NEAR RIDDHI-SIDDHI, JAIPUR

मलेशिया की 'ओरंगुटान कूटनीति': नीतिगत बदलाव और निहितार्थ
पाठ्यक्रम में प्रासंगिकता - सामान्य अध्ययन-II: भारत के हितों पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव

सुर्खियों में क्यों ?

- मलेशिया ने हाल ही में अपनी विवादास्पद 'ओरंगुटान कूटनीति' रणनीति में संशोधन किया है, जिसे शुरू में प्राथमिक उद्योग मंत्री गनी ने स्थायी पाम तेल उत्पादन में देश की छवि को बढ़ाने के लिए प्रस्तावित किया था।
- चीन की 'पांडा डिप्लोमेसी' से प्रेरित इस नीति का उद्देश्य मलेशियाई पाम तेल खरीदने वाले देशों को ओरंगुटान उपहार में देना था। हालांकि, संरक्षणवादियों और पशु कल्याण समूहों की आलोचना के बाद, संरक्षण प्रयासों के लिए प्रायोजन निधि का उपयोग करते हुए ओरंगुटान को उनके प्राकृतिक आवासों में रखने के लिए रणनीति में बदलाव किया गया।

ओरंगुटान कूटनीति प्रस्ताव:

मई 2024 में, मलेशिया ने उन देशों को राजनयिक उपहार के रूप में ओरंगुटान का उपयोग करने की योजना पेश की, जो उसका पाम ऑयल खरीदते हैं। इस योजना का उद्देश्य देश की छवि को बेहतर बनाना था, क्योंकि इसके पाम ऑयल उद्योग की वनों की कटाई और ओरंगुटान के आवासों को नष्ट करने के लिए आलोचना की गई है, खासकर बॉर्नियो और सुमात्रा के वर्षावनों में।

आलोचना: इस प्रस्ताव की व्यापक आलोचना की गई, विशेषज्ञों और गैर सरकारी संगठनों ने तर्क दिया कि ओरंगुटान के आवासों को नष्ट करना और फिर उन्हें संरक्षण के प्रतीक के रूप में उपयोग करना पाखंड है। आलोचकों ने प्रतीकात्मक इशारों के बजाय वर्षावनों की रक्षा जैसे वास्तविक संरक्षण प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

ओरंगुटान



1. **ओरंगुटान पर्यावास:** ओरंगुटान बॉर्नियो और सुमात्रा के वर्षावनों के मूल निवासी हैं, जो मलेशिया, इंडोनेशिया और ब्रुनेई द्वारा साझा किए जाते हैं।
2. **ओरंगुटान जनसंख्या:** वैश्विक ओरंगुटान आबादी लगभग 120,000 है, जिसमें पाम ऑयल के बागानों के कारण वनों की कटाई से महत्वपूर्ण खतरा है।
3. **पाम तेल उत्पादन:** इंडोनेशिया के बाद मलेशिया दुनिया में पाम तेल का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।

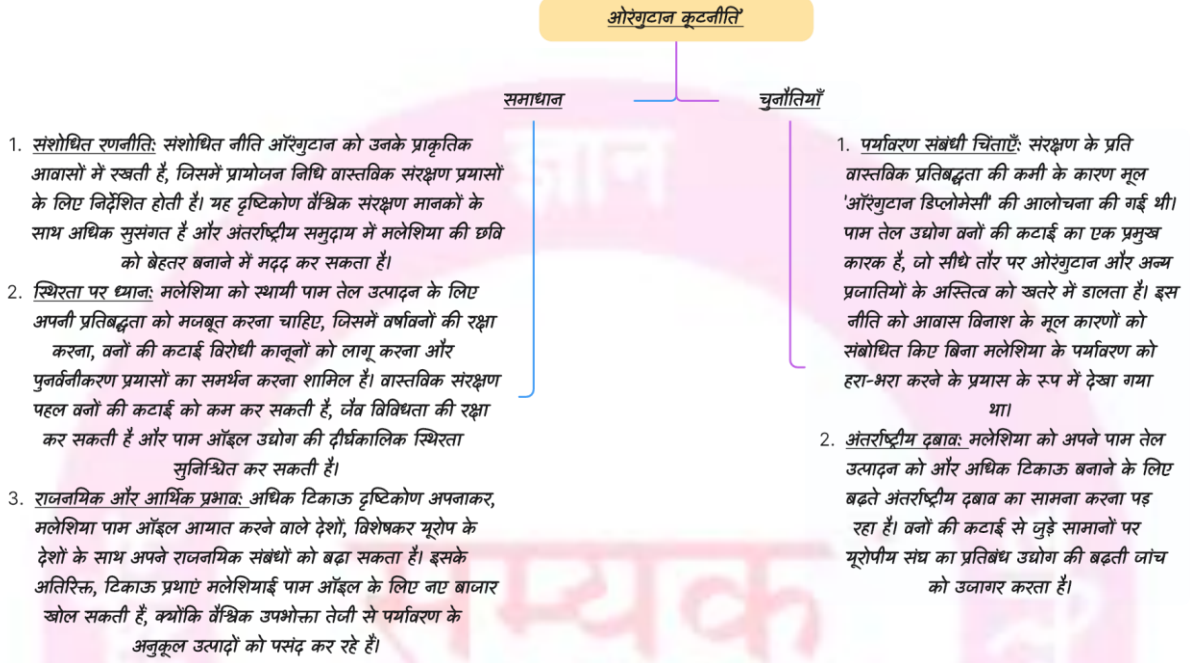
प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

ओरंगुटान

- इन्हें **पेड़ों पर रहने वाले सबसे बड़े स्तनधारी** माना जाता है। ये मुख्य रूप से **वृक्षवासी** हैं, जो अपने 90% से अधिक घंटे पेड़ों पर बिताते हैं।
- **आनुवंशिक संरचना:** ये अत्यधिक बुद्धिमान होते हैं और अपने **96.4% जीन मनुष्यों के साथ साझा** करते हैं।
- **3 प्रजातियाँ:** बॉर्नियन, सुमात्राण और तपानुली।
- **विशेषता:** लंबे, विरल नारंगी या लाल बाल होते हैं और इनकी भुजाएँ पैरों से लंबी होती हैं।
- **जीवनकाल:** जंगल में 50 साल तक जीवित रहते हैं।
- **आहार:** दिन में भोजन करने वाले, मुख्य रूप से लीची और अंजीर जैसे फल और पत्तियों से युक्त आहार और छाल, कीड़े और पक्षियों के अंडे खाते हैं।

- **व्यवहार:** अर्ध-एकांत व्यवहार और अधिक फल उपलब्धता की अवधि के दौरान सामाजिक सहिष्णुता दिखाते हैं, समूहों में एक साथ आते हैं जिन्हें पार्टी कहा जाता है।
- **IUCN रेड लिस्ट स्थिति:** 'गंभीर रूप से संकटग्रस्त'

मुख्य परीक्षा के लिए विश्लेषण



आगे की राह -

- चीन की सफल 'पांडा कूटनीति' की तरह, जिसमें अत्याधुनिक सुविधाएँ और व्यापक संरक्षण क्षेत्र शामिल हैं, मलेशिया **समर्पित ओरंगुटान संरक्षण क्षेत्र** स्थापित कर सकता है। ये क्षेत्र अनुसंधान केंद्र और पर्यटक आकर्षण के रूप में काम कर सकते हैं, जो संरक्षण और आर्थिक विकास दोनों में योगदान करते हैं।
- पाम ऑयल उद्योग मलेशिया की अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख योगदानकर्ता है, जो अरबों का राजस्व उत्पन्न करता है और लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करता है। मलेशिया के दीर्घकालिक विकास के लिए पर्यावरणीय स्थिरता के साथ आर्थिक विकास को संतुलित करना महत्वपूर्ण है।

अन्य खबरें

चर्चा का विषय	महत्वपूर्ण जानकारी
<p>ग्लोबल फाइनेंस सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड 2024</p>	<ul style="list-style-type: none"> • सुर्खियों में क्यों - ग्लोबल फाइनेंस सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड 2024 में रिजर्व बैंक गवर्नर को लगातार दूसरी बार "ए+" रेटिंग दी गई है। • इसके बारे में - 1994 से अमेरिका स्थित ग्लोबल फाइनेंस द्वारा प्रतिवर्ष प्रकाशित किया जाता है जिसमें लगभग 100 देशों के केंद्रीय बैंक गवर्नर को ग्रेड दिया जाता है। • पैमाने - मुद्रास्फीति नियंत्रण, आर्थिक विकास लक्ष्यों, मुद्रा स्थिरता और ब्याज दर प्रबंधन में सफलता के लिए ग्रेड ए से एफ के पैमाने पर आधारित होते हैं। • सम्मान का कारण - यह उन बैंक गवर्नरों को सम्मानित करता है जिनकी रणनीतियां मौलिकता, रचनात्मकता और दृढ़ता के माध्यम से अपने समकक्षों से बेहतर प्रदर्शन करती हैं।
<p>यूरोपीय संघ प्रकृति बहाली कानून</p>	<ul style="list-style-type: none"> • सुर्खियों में क्यों - हाल ही में, यूरोपीय संघ प्रकृति बहाली कानून लागू हुआ। <div style="text-align: center;"> <p>प्रकृति बहाली के लिए यूरोपीय संघ का पहला महाद्वीप-व्यापी कानून।</p> <p>कानूनी रूप से बाध्यकारी लक्ष्य: 2030 तक 30% स्थलीय, तटीय, मीठे पानी, सूखे पीटलैंड और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्रों को बहाल करना। 25,000 किलोमीटर लंबी नदियों को मुक्त-प्रवाह की स्थिति में बहाल करना। 2030 तक तीन अरब अतिरिक्त पेड़ लगाना।</p> <div style="display: flex; justify-content: space-around;"> <div style="text-align: center;"> <p>उद्देश्य: 2030 तक 20% क्षीण पारिस्थितिकी तंत्रों को बहाल करना और 2050 तक सभी को बहाल करना।</p> </div> <div style="text-align: center;"> <p>नेचुरा 2000 नेटवर्क क्षेत्रों के संरक्षण को प्राथमिकता देता है।</p> </div> <div style="text-align: center;"> <p>सदस्य राज्यों को 1 सितंबर 2026 तक राष्ट्रीय बहाली योजनाएँ तैयार करने की आवश्यकता है।</p> </div> <div style="text-align: center;"> <p>नेचुरा 2000 यूरोपीय संघ में संरक्षित क्षेत्रों का एक नेटवर्क है।</p> </div> </div> </div>
<p>टेरा हर्ट्ज़ (THz) तरंगें</p>	<ul style="list-style-type: none"> • सुर्खियों में क्यों - भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने टेरा हर्ट्ज़ बैंड में नवीन नई प्रौद्योगिकियों और सेवाओं को विकसित करने के लिए टेरा हर्ट्ज़ प्रायोगिक प्राधिकरण स्थापित करने की सिफारिश की है। • टेरा हर्ट्ज़ (THz) के बारे में - THz विकिरण आम तौर पर 0.1-10 THz की आवृत्ति पर विद्युत चुम्बकीय तरंगों को संदर्भित करता है, जो स्पेक्ट्रम के माइक्रोवेव और अवरक्त क्षेत्रों के बीच स्थित है।



तीस्ता-V जलविद्युत स्टेशन

- **सुर्खियों में क्यों** - हाल ही में सिक्किम के गंगटोक जिले में तीस्ता-V हाइड्रोपावर स्टेशन के स्थल पर भूस्खलन से छह घर और राष्ट्रीय जलविद्युत निगम (NHPC) की एक इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। अक्टूबर 2023 में ग्लेशियल झील के कारण आई बाढ़ (GLOF) से क्षतिग्रस्त हुआ यह पावर स्टेशन निर्माणाधीन है।

तीस्ता-V जलविद्युत स्टेशन

- **इसके बारे में:** सिक्किम के गंगटोक में तीस्ता नदी बेसिन पर 510 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना।
- **आयाम:** 88.6 मीटर ऊँचा, 176.5 मीटर लंबा
- **प्रकार:** एक कंक्रीट गुरुत्व बांध जो दैनिक विद्युत शिखरन के लिए एक विनियमन जलाशय को बांधता है।
- **निर्माण:** 1999 में
- **संचालन:** 2008 से
- **विकास:** राष्ट्रीय जलविद्युत ऊर्जा निगम (एनएचपीसी)

तीस्ता नदी के बारे में: ब्रह्मपुत्र नदी की एक सहायक नदी, जो भारत और बांग्लादेश से होकर बहती है।

- **उद्गम:** सिक्किम में त्सो ल्हामो झील के पास हिमालय से
- **स्रोत:** तीस्ता खांगसे ग्लेशियर और छो ल्हामो।
- **लंबाई:** 309 किमी (192 मील)
- **बाएं तरफ की सहायक नदियाँ:**

लाचुंग छू, चाकुंग छू, डिक छू, रानी खोला, रंगपो छू।

- **दाहिने तरफ की सहायक नदियाँ:** जेमु छू, रंगयोंग छू, रंगित नदी।
- **दो प्रमुख बड़े बैराज:** पश्चिम बंगाल में गाजोलदोबा, बांग्लादेश में भारत दुआनी



न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट

- **सुर्खियों में क्यों** - केरल उच्च न्यायालय ने हाल ही में राज्य सरकार को आदेश दिया है कि वह हेमा समिति की पूरी रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में उसके समक्ष प्रस्तुत करे।

यह आदेश तब आया है जब न्यायालय एक जनहित याचिका पर विचार कर रहा है जिसमें रिपोर्ट में नामित

अपराधियों के

खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू करने की मांग की गई है।

हेमा समिति के गठन के कारक

1. महिलाओं के खिलाफ अत्याचार: 2017 में, एक प्रमुख मलयालम फिल्म अभिनेत्री को पुरुषों के एक समूह द्वारा उसकी कार में अपहरण कर लिया गया और उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया।
2. 'बुमन इन सिनेमा कलेक्टिव' का गठन: इसमें महिला कलाकार, निर्माता, निर्देशक और तकनीशियन शामिल हैं और इस घटना के जवाब में इसका गठन किया गया था।
3. जुलाई 2017: राज्य सरकार ने मलयालम फिल्म उद्योग में यौन उत्पीड़न और व्यापक लैंगिक असमानता के मुद्दों पर विचार करने के लिए केरल उच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश के हेमा की अध्यक्षता में 3 सदस्यीय समिति का गठन किया।

मुख्य निष्कर्ष

1. मलयालम फिल्म उद्योग में यौन उत्पीड़न की संस्कृति: कास्टिंग काउच, कार्यस्थल पर पुरुषों द्वारा की जाने वाली अश्लील टिप्पणियाँ, और नशे में पुरुष सह-अभिनेताओं द्वारा महिलाओं के कमरे में जबरदस्ती घुसना शामिल है।
2. यौन उत्पीड़न की कोई रिपोर्टिंग नहीं: प्रत्यक्ष प्रतिशोध से परे, रिपोर्ट में साइबर उत्पीड़न के डर का भी उल्लेख किया गया है, विशेष रूप से प्रशंसक समूह का, जिसके माध्यम से महिलाओं को चुप रहने के लिए मजबूर किया जाता है।
3. प्रभावशाली अभिनेताओं और निर्माताओं के सर्व-पुरुष "माफिया"
4. महिलाओं के लिए बुनियादी सुविधाओं का अभाव जैसे खुले स्थानों या साझा बाथरूमों पर निर्भर रहना।
5. पारिश्रमिक के संबंध में लैंगिक समानता का अभाव

स्लो लोरिस

- **सुर्खियों में क्यों** - चिरांग में भारत-भूटान सीमा पर शांतिपुर क्षेत्र में स्थित शिमलाबागान के ग्रामीणों ने लुप्तप्राय प्राइमेट स्लो लोरिस की एक दुर्लभ प्रजाति को देखे जाने की सूचना दी है। यह इस क्षेत्र में इस प्राइमेट को देखे जाने का पहला ज्ञात उदाहरण है।

स्लो लोरिस के बारे में

- स्लो लोरिस दुनिया के एकमात्र विषैले प्राइमेट हैं।
- **वितरण:** विशेष रूप से दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में।
- **रहने की स्थिति:** वे पेड़ों पर रहते हैं और रात में सक्रिय रहते हैं।
- **प्रजातियाँ:** फिलीपीन स्लो लोरिस, बंगाल स्लो लोरिस, ग्रेटर स्लो लोरिस, कायन स्लो लोरिस, बंगका स्लो लोरिस, बोर्नियन स्लो लोरिस, सुमात्रा स्लो लोरिस, जावन स्लो लोरिस और पिग्मी स्लो लोरिस।
- **बंगाल स्लो लोरिस:** IUCN रेड लिस्ट के अनुसार लुप्तप्राय और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत संरक्षित।
- **बंगाल स्लो लोरिस का वितरण:** वियतनाम से चीन तक (भारत में, यह भारत के उत्तर-पूर्व तक ही सीमित है)।
- **विष:** स्लो लोरिस की भुजाओं के नीचे एक छोटा सा पेंच होता है जो तेल स्रावित करता है। जब उन्हें खतरा महसूस होता है, तो वे इस तेल को चाटते हैं, जो उनकी लार के साथ मिलकर विष बनाता है। यह छोटे आर्थ्रोपोड्स और स्तनधारियों को मार सकता है।
- **आहार:** सर्वाहारी।



मंगल ग्रह पर पहली बार तरल जल

- **सुर्खियों में क्यों** - एक नए अध्ययन के अनुसार, मंगल ग्रह की चट्टानी बाहरी परत की गहराई में समुद्र जितना तरल पानी हो सकता है। वैसे तो वैज्ञानिकों को मंगल ग्रह के ध्रुवों पर बर्फ के बारे में लंबे समय से पता है, लेकिन यह पहली बार है जब उन्होंने ग्रह पर तरल पानी की खोज की है।

निष्कर्ष:

- **स्थान:** यह परत मंगल ग्रह की सतह पर लगभग 10 से 20 किलोमीटर की गहराई पर स्थित है।
- **पानी की मौजूदगी का कारण:** अरबों साल पहले जब मंगल पर नदियाँ, झीलें और संभवतः महासागर थे, तब संभावित है कि सतह से पानी रिसा होगा।
- **संभावनाएँ:** हालाँकि तरल पानी की खोज का मतलब यह नहीं है कि मंगल पर जीवन है, लेकिन यह निश्चित रूप से रहने योग्य वातावरण खोजने की संभावना को बढ़ाता है

मंगल ग्रह



शाहीन-11 बैलिस्टिक मिसाइल

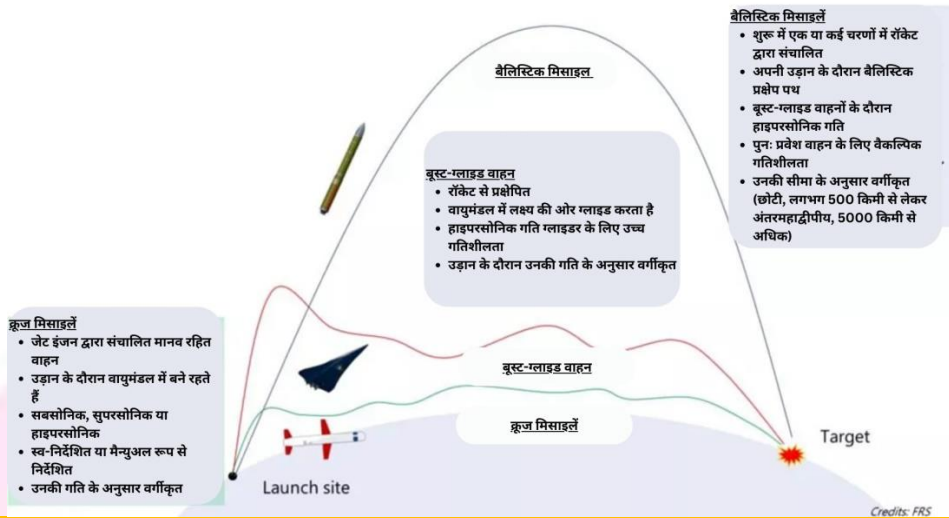
- **सुर्खियों में क्यों** - पाकिस्तानी सेना ने हाल ही में अपनी सतह से सतह पर वार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल शाहीन-11 का सफल प्रशिक्षण प्रक्षेपण किया।

शाहीन-11 मिसाइल के बारे में:

- एक पाकिस्तानी मध्यम दूरी की सतह से सतह पर वार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल।
- **विशेषता:** एक ठोस ईंधन वाली, दो चरणों वाली मिसाइल जिसकी अनुमानित सीमा 1,500-2,000 किमी है।
- **वजन:** लॉन्च के समय 23,600 किलोग्राम
- **क्षमताएँ:** पारंपरिक या परमाणु पेलोड ले जाने के लिए डिज़ाइन की गई।
- **सटीकता:** अनुमानित 350 मीटर।



- **लॉन्च:** 6-एक्सल ट्रांसपोर्टर इरेक्टर लॉन्चर (टीईएल) द्वारा



ISDra2TnpB

- **सुर्खियों में क्यों - भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद** ने लघु पादप जीनोम संपादन उपकरण 'ISDra2TnpB' विकसित किया। इसे पौधों में जीनोम संपादन के लिए अगली पीढ़ी के उपकरण के रूप में देखा जा रहा है जो CRISPR के Cas9 और Cas12 की सीमाओं को पार कर सकता है।

इसके बारे में:

- यह **डाइनोकोकस रेडियोड्यूरन्स** नामक **बैक्टीरिया** से प्राप्त होता है (यह चरम पर्यावरणीय परिस्थितियों में भी जीवित रह सकता है)।
- यह ट्रांसपोज़न या जंपिंग जीन के परिवार से संबंधित है जो राइबोन्यूक्लिक एसिडकी मदद से विशिष्ट डीएनए अनुक्रमों को लक्षित करते हुए जीनोम के भीतर घूम सकता है।

विशेषता

- यह जीनोम में उन विशिष्ट क्षेत्रों को लक्षित कर सकता है जिन्हें Cas9 नहीं कर सकता।
- यह **फ्यूजन प्रोटीन के निर्माण** की सुविधा प्रदान करता है, जिससे जीनोम इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों का दायरा व्यापक होता है।
 - एक **फ्यूजन प्रोटीन** (काइमेरिक प्रोटीन) दो या दो से अधिक जीनों को जोड़कर बनाया जाता है जो मूल रूप से अलग-अलग प्रोटीन के लिए कोडित होते हैं।
- यह **दोनों प्रकार के पुष्पीय पौधों - एकबीजपत्री (जैसे चावल) और द्विबीजपत्री (जैसे अरेबिडोप्सिस)** पर प्रभावी था।

CRISPR-Cas9

- **क्लस्टर्ड रेगुलरली इंटरस्पेस्ड शॉर्ट पैलिंड्रोमिक रिपीट्स (सीआरआईएसपीआर)** एक जीन संपादन तकनीक है, जो **कैस9** नामक एक विशेष प्रोटीन का उपयोग करके वायरस के हमलों से लड़ने के लिए बैक्टीरिया में प्राकृतिक रक्षा तंत्र की नकल करती है।

- इसमें आमतौर पर **आनुवंशिक इंजीनियरिंग** के रूप में वर्णित प्रक्रिया के माध्यम से एक नए जीन का परिचय, या मौजूदा जीन का दमन शामिल होता है।



- सीआरआईएसपीआर तकनीक में **बाहर से किसी नए जीन का प्रवेश शामिल नहीं है।**
- CRISPR-Cas9 तकनीक को अक्सर '**जेनेटिक कैंची**' के रूप में वर्णित किया जाता है।

प्रारंभिक परीक्षा 2010 से प्रश्न

प्रायः समाचारों में आने वाला Cas9 प्रोटीन क्या है?

- (a) लक्ष्य-साधित जीन संपादन (टारगेटेड जीन एडिटिंग) में प्रयुक्त आण्विक कैंची
- (b) रोगियों में रोगजनकों की ठीक-ठीक पहचान के लिए प्रयुक्त जैव संवेदक
- (c) एक जीन जो पादपों को पीड़क-प्रतिरोधी बनाता है
- (d) आनुवंशिकतः स्पांतरित फसलों में संश्लेषित होने वाला एक शाकनाशी पदार्थ